न्यूज डायरी

20 साल की मेहनत का नतीजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रूस। एक ओर जहां दुनियाभर के वैज्ञानिक कोविड–19 से बचाव में कागरगर वैक्सीन खोजने में लगे हैं, रूस ने ऐलान कर दिया है कि 12 अगस्त को वह अपनी वैक्सीन को रजिस्टर कराने जा रहा है। यही नहीं, जल्द ही इसे लोगों को दिए जाने का फैसला भी कर लिया गया है। जिस तेजी के साथ रूस ने वैक्सीन पर रिसर्च पूरी की और फिर अप्रूव की है, उसे लेकर पश्चिम हैरान भी है और शक की निगाह से भी देख रहा है। यहां तक कि कई देश आरोप तक लगा चुके हैं कि रूस ने दरअसल उनके मेडिकल और रिसर्च संस्थानों से कोविड–19 पर रिसर्च चुराई है और फिर उसका इस्तेमाल वैक्सीन बनाने के लिए किया है। सेशेनॉव यूनिवर्सिटी में टॉप साइंटिस्ट वादिम तारासॉव ने दावा किया है कि देश 20 साल से इस क्षेत्र में अपनी क्षमता और काबिलियत को तेज करने के काम में लगा हुआ है। इस बात पर लंबे वक्त से रिसर्च की जा रही है कि वायरस कैसे फैलते हैं।

विमान रोकने की घटना के लिए अमेरिका को जवाबदेह बनाए संयुक्त राष्ट्रः ईरान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की है कि वह सीरिया के हवाई क्षेत्र में पिछले महीने ईरानी यात्री विमान को रोके जाने की घटना के लिए अमेरिका को जवाबदेह बनाए। इस विमान को दो अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने रोका था। ईरान ने उसके विमानों को रोके जाने को ''गैरकानूनी'' एवं ''दुस्साहसी कदम'' बताया। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत माजिद तख्त रवांची ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को शुक्रवार को दिए गए पत्र में कहा कि ईरान ''अंतरराष्ट्रीय कानून के इस उल्लंघन के खिलाफ कड़ी से कड़ी आपत्ति जताता है और वह प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में यह मामला उठाएगा।' रवांची ने कहा कि 23 जुलाई को तेहरान से बेरूत जा रही 'महान' विमानन कंपनी की उड़ान ए310 को सीरिया के हवाई क्षेत्र से गुजरते समय दो अमेरिकी एफ–15 लड़ाकू विमानों ने ''आक्रामक और अनेपक्षित तरीके से रोका ।'

शोधकर्ताओं ने बाजार में सुलभ फेस मास्क की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। कोरोना वायरस के प्रसार के बीच वैज्ञानिक इस बात का शोध करने में जुटे हैं कि व्यापक रूप से उपलब्ध और इस्तेमाल किए जा रहे फेस मास्क क्या वायरस के कणों को रोकने में सक्षम हैं। वैज्ञानिक इस बात की जांच–परख कर रहे हैं कि बाजार में मिल रहे विभिन्न प्रकार मास्क लार की एक बहुत छोटी बूंद को रोकने में सक्षम हैं। इसमें SARS&CoV–2 वायरस के कण भी शामिल है। वैज्ञानिक उपलब्ध फेस मास्क की उपयोगिता को परख रहे हैं। इसके साथ यह भी देख रहे हैं कि विभिन्न प्रकार के फेस मास्क कोरोना प्रसार को रोकने में कितने प्रभावशाली है। हालांकि, लेखकों ने अपने निष्कर्ष के पहले यह साफ कर दिया है कि अभी उनकी जांच शुरुआती चरण में है। यह केवल सीमित लोगों पर यानी इसका परीक्षण एक छोटे समूह पर किया गया है।

लेबनान ने नहीं की बेरूत विस्फोट की जांच की मांग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि लेबनान सरकार ने बेरूत में हुए भीषण विस्फोट की जांच के लिए कोई अनुरोध नहीं किया है। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फुराना हक ने कहा है कि हम लेबनान सरकार की मदद करने को तैयार हैं। हक ने कहा कि अलबत्ता फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉने ने इस विस्फोट की अंतराष्ट्रीय जांच की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र की यह सफाई ऐसे वक्त आई है, जब अंतरराष्ट्रीय जगत में इस विस्फोट की स्वतंत्र एजेंसी की जांच की बात हो रही है। कई मुल्कों ने इस विस्फोट की जांच की मांग की है। हक ने कहा है अब तक लेबनान सरकार की ओर से हमें इस तरह का कोई अनुरोध पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसा अनुरोध मिलने पर संयुक्त राष्ट्र इस पर विचार करने के लिए तैयार हैं। लेकिन अभी तक इस तरह को लेबनान सरकार की ओर से कोई अनुरोध नहीं मिला है।

कश्मीर पर की गई टिप्पणियों के कारण भारत से बिगड़े संबंध

गलती

मलेशिया के पूर्व पीएम महाथिर मोहम्मद ने स्वीकारी गलती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कुआललंपुर। मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद ने माना है कि कश्मीर पर उनकी टिप्पणी के कारण भारत के साथ उनके देश के रिश्तों में तनाव आया। उन्होंने यह भी कहा उनके नेतृत्व के दौरान कश्मीर के अलावा दोनों देशों के बीच संबंध ा बहुत अच्छे रहे। महातिर एक समय में दुनिया के सबसे लंबे वक्त तक सेवा देने वाले निर्वाचित नेता थे। वह नई पार्टी का गठन कर सत्ता में फिर वापसी करने की कोशिश में हैं।

कश्मीर पर टिप्णियों से बिगड़े दोनों देशों के रिश्तेः महातिर के हवाले से डब्ल्यूआईओएन समाचार चौनल ने कहा कि भारत के साथ रिश्तों में तनाव कश्मीर पर मेरी टिप्पणी के कारण हुआ। लेकिन, उसके अलावा संबंध बहुत अच्छे थे, यहां तक कि मेरे नेतृत्व में भी रिश्ते अच्छे थे। दरअसल, सितंबर 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान महातिर ने कश्मीर का मुद्दा उठाया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

महातिर बोले- वैश्विक नेताओं में सबसे पहले पीएम मोदी से मिला उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन वैश्विक नेताओं में शामिल हैं जो मेरे दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर सबसे पहले मिले थे। महातिर ने कहा कि जाहिर तौर पर, हम बहुत वक्त पहले मिले थे। मैं भूल गया था, लेकिन पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री बनने से पहले की हमारी एक तस्वीर दिखाई। महातिर ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी और उनके साथ अच्छी चर्चा हुई थी।

हम भारत से हमेशा अच्छे रिश्ते रखना चाहते हैंः एक सवाल के जवाब में महातिर ने कहा कि हम हमेशा अच्छे रिश्ते रखना चाहते हैं, भले ही भारत का प्रधानमंत्री कोई भी हो। जो भी भारत का प्रधानमंत्री होता है, हम उससे अच्छे संबंध बनाते हैं। पूछा गया क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक शक्ति के तौर पर उभर रहा है तो महातिर ने कहा– हां।

भारत ज्यादा उदारवादी, चीन नहीं स्वीकारता आलोचनाः पूछा गया कि उन्होंने भारत के मुसलमानों के खिलाफ चिंता क्यों जाहिर की जबकि चीनी मुसलमानों को लेकर कोई रूख अख्तियार नहीं किया, तो महातिर ने कहा कि भारत और चीन के साथ हमारे रिश्ते एक जैसे नहीं हैं। भारत के साथ हमें लगता है कि आप ज्यादा उदारवादी, आलोचनाओं को स्वीकार करने के लिए अधिक इच्छुक हैं। मगर आप जानते हैं कि चीन ऐसा नहीं करता है। उनके पास अलग प्रणाली और अलग नजरिया है।

जाकिर नाईक को दूसरे देश भेजना चाहता है मलेशियाः महातिर मोहम्मद ने कहा है कि उनका देश भारत को छोड़कर किसी अन्य देश की तलाश में है जहां जाकिर नाइक को भेजा जा सके लेकिन कई देश विवादास्पद उपदेशक को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। महातिर ने दावा किया कि भगोड़ा उपदेशक भारतीय जनता से सुरक्षित नहीं रहेगा।

उत्तरी यमन में हवाई हमलों में करीब नौ बच्चों की मौत: यूएन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सना। उत्तरी यमन में हुए हवाई हमलों में करीब नौ बच्चों की मौत हुई। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विद्रोहियों के नियंत्रण वाले क्षेत्र में यह तीसरा हमला है जिसमें इतनी संख्या में बच्चों की मौत हुई है।

यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता समन्वयक, लिजे ग्रांडे ने एक बयान में कहा कि बृहस्पतिवार को हुए हमले का शिकार वह समूह हुआ जिसमें ज्यादातर महिलाएं एवं बच्चे थे जो सड़क मार्ग से सफर कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह, "चौंकाने वाला और पूरी तरह अस्वीकार्य है।'' बयान में कहा गया कि कम से कम सात और बच्चे तथा दो महिलाएं घायल हुईं लेकिन बताया कि हताहत होने के आंकड़े प्रारंभिक और अब भी जांच के दायरे में हैं।

इलाके पर नियंत्रण रखने वाले हूती विद्रोहियों के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि यमन सरकार का समर्थन करने वाले सऊदी अरब नीत गठबंधन ने पर्वतीय उत्तरी यमन के जाव्क प्रांत में छह हवाई हमले किए। हूती नियंत्रण वाले इलाकों तक सहायता कर्मियों एवं पत्रकारों की सीमित पहुंच के कारण हमले के ब्योरों की पुष्टि करना अक्सर मुश्किल होता है।

यूएस, पाकिस्तान, नेपाल...दर्दनाक हादसे पर पूरी दुनिया ने जताया गम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) केरल के कोझिकोड में प्लेन क्रैश की घटना पर दुनिया के कई देशों और नेताओं ने दुख जताया है। शुक्रवार रात हुए इस दर्दनाक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई है और 127 लोग घायल हैं। दुबई से आ रहा प्लेन रनवे पर फिसल गया था और दो टुकड़ों में टूट गया था। घटना पर दुख व्यक्त करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने लोगों को हिम्मत मिलने की दुआ मांगी है। वहां, नेपाल के विदेश मंत्री ने भी नेपाल की ओर से लोगों के जल्द ठीक होने की कामना की है। भारत में अमेरिका के राजदूत केन जस्टर ने भी अमेरिकी मिशन की ओर से घटना पर दुख जताया है और पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना की है।

यूएई में काटे नहीं कटी प्लेन क्रैश की रात, फोन के पास बैठे रहे परिजन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात में रह रहे उन लोगों के लिए शुक्रवार रात का एक–एक पल काटना मुश्किल हो गया जिनके परिजन और दोस्त उस प्लेन में सवार थे। जब वे केरल के लिए निकले थे तो उन्हें कहां पता था कि इतना भयानक हादसा इस प्लेन की राह देख रह था। प्लेन क्रैश की खबरें और तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आने के साथ ही यूएई में बैठे भारतीय अधिकारियों को बदहवास से फोन मिलाए जा रहे थे। इस क्रैश में 18 लोगों की मौत हो गई है 127 लोग अस्पताल में भर्ती हैं।

कुछ सोच नहीं पा रहा हूंः मेरी पत्नी और बच्चे प्लेन पर हैं। वे सुरक्षित हों

सफन वडक्कन ने रात को बताया, मैं कुछ सोच नहीं पा रहा हूं। मेरी पत्नी और बच्चे प्लेन पर हैं। वे सुरक्षित हों। मैं जितने नंबर मिल रहे हैं, सब पर कॉल कर रहा हूं। मुझसे कहा गया है कि मेरी पत्नी और बच्चे सेफ हैं लेकिन कुछ भी अभी साफ नहीं है। मैं बस प्रार्थना कर रहा हूं। उनके भाई जयन की पत्नी और तीन बच्चे भी उस फ्लाइट पर थे। वडक्कन ने बताया कि उन सब के वीजा एक्सपायर हो गए थे।

बस मिल जाए कोई खबरः मुनीर की भाभी भी उस फ्लाइट में थीं। वह बताते हैं कि उनके भाई और परिवार का बुरा हाल है। उन्होंने बताया, हमें नहीं पता उनका क्या हुआ। मैंने अपने भाई–भाभी के साथ गुरुवार को लंच किया था और वह घर जाने के लिए बेहद उत्साहित थीं। उन्होंने बताया कि किसी चीज की पुष्टि नहीं हो रही। बहुत उलझन है और बस एक उम्मीद है कि उनके बारे में कोई जानकारी मिले।

अल्लाह का शुक्रियाः शारजाह में अपने पति अंशद से मिलकर वापस जा रहीं शाहीना क्रैश के वक्त सिर्फ अपने बच्चों जियान, जेया और जैन को खोज रही थीं। उनका पासपोर्ट और फोन खो गया लेकिन किसी तरह घर से एक शख्स अस्पताल पहुंच गया।

महामारी के दौरान दुनिया में तेजी से बढ़े साइबर अपराध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। रिपोर्ट से यह पता चला है कि कोरोना महामारी के दौरान साइबर अपराध में तेज बढ़ोतरी हुई है। इस साल की पहली तिमाई में फिशिंग वेबसाइटों में 350 फीसद का इजाफा होने की खबर है। इनमें से कईयों के जरिये अस्पतालों और हेल्थ केयर सिस्टम को निशाना बनाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के आतंक रोधी मामलों के प्रमुख व्लादिमीर वोरोंकोव ने गुरूवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि हाल के महीनों में साइबर अपराध में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के तहत फिशिंग साइटों में वृद्धि हुई है।

हालांकि संयुक्त राष्ट्र और दुनियाभर के विशेषज्ञ वैश्विक शांति, सुरक्षा और खासतौर पर संगठित अपराध व आतंकवाद पर महामारी के पड़ने वाले प्रभाव और नतीजे को अभी तक पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं। वोरोंकोव ने कहा, हम यह जानते हैं कि आतंकी कोरोना महामारी की आड़ में डर, नफरत और अलगाव फैलाने के साथ ही नए आतंकियों की भर्ती भी कर रहे हैं। यही नहीं महामारी के दौरान इंटरनेट का उपयोग बढ़ने के साथ ही साइबर अपराध भी बढ़े हैं। इसके लिए सतर्क रहने की जरूरत है।